ओम शान्ति शिवबाबा याद हैं?

# Hindi Murli Quiz 04-01-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

**Q.1) जब बाप द्वारा नॉलेज द्वारा सितारा चमक गया तो अभी बुझ तो सकता नही लेकिन चमक की परसेटेज कम और ज्यादा हो सकती है और उसका कारण है अटेंशन की कमी। जैसे दीपक में अगर सदा घृत डालते रहें तो वह एकरस जलता रहेगा। घृत कम हुआ तो हलचल करेगा। ऐसे अटेंशन कम हो जाता है तो चमक भी कम हो जाती है इसलिए बापदादा की श्रेष्ठ मत है रोज अमृतवेले अपनी दिनचर्या को सेट करो। जहाँ अटेंशन होगा वहाँ किसी भी प्रकार का टेंशन नही हो सकता।**

A. False

B. True

**Q.2) वाक्यों को अर्थ अनुसार ही मिलाएं --**

| | Choice | | Match |
|---|---|---|---|
| A | टीचर्स का आक्यूपेशन | 1 | समीप रत्न |
| B | सन्तुष्ट रह सकेंगे | 2 | बाप की तरफ आकर्षित होना। |
| C | दिव्य सितारा सदा चमकता दिखाई दे | 3 | सर्व को अपनी तरफ स्वत : ही आकर्षण करेगी |
| D | सितारो की तरफ आकर्षित होना | 4 | सदा बाप के गुणो और कर्तव्य मे समान |
| E | बाप को कॉपी करो तो भी बाप समान बन जायेंगे | 5 | सदा सन्तुष्ट रहना और सर्व को संतुष्ट बनाना |

**Q.3) कभी भी माया से सामना करने मे कमजोर नही बनें –इसके लिए बापदादा ने आज की मुरली में जो साधन बताएं हैं, उनका चयन करो ----**

A. कहना, सोचना और करना समान हो, सदा समर्थ हो।

B. सिर्फ एक बात याद रखो - सर्व सम्बन्धो से हर कार्य मे बापदादा सदा साथ है।

C. सर्व प्राप्तियो को प्राप्त कराने वाले को सदा सामने रखो I

D. विश्व की जिम्मेवारी उठाने वाले बाप का साथ है,हमें अपने हद की जिम्मेवारी के बोझ की टोकरी नहीं उठाना है I

E. .अपने श्रेष्ठ भाग्य, श्रेष्ठ प्राप्तियो को बार-बार सामने लाओ I

**Q.4) 63 जन्म माया के प्रभाव में आकर बच्चों ने बचपन के, अलबेलेपन के, व नटखट के खेल बहुत समय खेले। अब संगमयुग पर सबसे अच्छे ते अच्छा खेल है बाप और बच्चों के मेले का खेला। बाप से मिले हुए ज्ञान रत्नों से खेलना ना कि देह- अभिमान रूपी मिट्टी में। अब तो वानप्रस्थ में जाने का समय समीप आ रहा है इसलिए अब इन सब बातो की समाप्ति का दृढ़ सकल्प करो - सदा ताज, तख्त और तिलकधारी बनो।**

A. True
B. False

**Q.5) यह मैचिंग एक्सरसाइज आज के वरदान और स्लोगन पर आधारित है।**

| | Choice | | Match |
|---|---|---|---|
| A | जैसे भविष्य मे विश्व महाराजन दाता होगे | 1 | साक्षीपन की सीट |
| B | किसी से कोई सैलवेशन लेकर के फिर हम सैलवेशन दे | 2 | ऐसे अभी से दातापन के सस्कार इमर्ज करो। |
| C | जो अभी बेगर टू प्रिन्स का पार्ट प्रैक्टिकल मे बजाते है | 3 | सदा त्यागी वा श्रेष्ठ भाग्यशाली |
| D | त्याग | 4 | सदा काल का भाग्य स्वत: |
| E | हर्षित | 5 | सकल्प मे भी न हो |

**Q.6) "बापदादा को रहम आ रहा था कि बाप कितना श्रेष्ठ बनाते हैं और बच्चे अपनी ही थोडी सी --------------वा अलबेलेपन के कारण श्रेष्ठ स्थिति से नीचे आ जाते हैं।"**
**[ एक सही उत्तर चयन कर रिक्त स्थान भरें ]**

A. गफलत
B. श्रद्धा
C. ख़ुशी
D. शान

**Q.7) बच्चों को यह --------------मिला है। इस -------------का भी रहस्य है कि पीछे आने वाले उल्हना न दे कि हमे बहुत थोड़ा समय मिला। ड्रामा अनुसार यह समय सेवा के प्रति अमानत रूप में मिला हुआ है। इसी अमानत को बापदादा की श्रेष्ठ मत प्रमाण यूज़ करो। हर समय और सकल्प में स्वयं को विश्व सेवा में इतना बिजी रखो जो यह सब व्यर्थ के खेल स्वत: समाप्त हो जाएं - यह रिजल्ट बापदादा देखने चाहते हैं।**
**[एक सही उत्तर का चयन कर रिक्त स्थान भरें ]**

A. आशीर्वाद
B. ज्ञान
C. वरदान
D. एकस्ट्रा टाइम

**Q.8) छोड़ो तो छूटे - यह एक सेकेण्ड की हिम्मत अनेक जन्मो के लिए अनेक प्रकार के बोझ से छुड़ा देगी। पहला-पहला वायदा बाप से किया है-- मेरा तो एक दूसरा न कोई। जब मेरापन ही समाप्त हो गया, तो फिर हद की जिम्मेवारियो का, देह का, कमजोरियो के सस्कारो का मेरापन हो नहीं सकता।**

A. False
B. True

**Q.9) बापदादा बच्चो के जो भिन्न-भिन्न प्रकार के हंसी के रूप देख रहे थे, उन सभी रूपों को चयन करें –**

A. ☐ कोई अपने ब्राह्मण जीवन के सदा ट्रस्टी स्वरूप के बजाय गहस्थीपन के बोझ की टोकरी भी सिर पर लिए हुए थे।

B. ☐ कोई ज्ञान रलो से खेलने के बजाए मिट्टी में खेलते और नटखट संस्कारो के कारण बार-बार मैले बन जाते ।

C. ☐ कोई बाप के याद की गोदी से निकल माया की धूल मे देह- अभिमान रूपी मिट्टी में खेल रहे थे ।

D. ☐ कोई बुद्धि का कनेक्शन जुटा हुआ न होने से सहज को मुश्किल बनाने के कारण थके हुए रूप में दिखाई दे रहे थे ।

E. ☐ कोई बच्चे अल्पकाल के सुख देने वाली वस्तुओं की आकर्षण में आकर अविनाशी प्राप्ति को भूल जाते ।

F. ☐ कोई माया के बादलो के कारण ज्ञान सूर्य को पाने के लिए कभी सन्मुख कभी किनारे, इसी खेल मे लगे हुए है ।

G. ☐ .कोई-कोई विश्व सेवा की जिम्मेदारी के ताज के बदले किए हुए पाप वा अवज्ञाओं की गठरी सिर पर लिए हुए थे ।

## Q.10) वाक्यों को अर्थों के अनुसार जोडें --

| | Choice | | Match |
|---|---|---|---|
| A | सम्पूर्ण अटेंशन | 1 | अपना और औरों का भविष्य बनाना |
| B | बाप की विशेषता बच्चो मे दिखाई दे | 2 | सम्पूर्ण मंजिल समीप और स्पष्ट |
| C | चढ़ती कला | 3 | तीव्र पुरुषार्थी अर्थात् सोचना और करना समान |
| D | समय कम है और मजिल ऊची है | 4 | हाई जम्प लगाओ अर्थात् डबल लाइट बनो |
| E | कर्म को श्रेष्ठ बनाने का साधन - फॉलो फादर | 5 | अपना भविष्य बनाना |
| F | याद स्वधर्म | 6 | बाप के गुण व शक्तियाँ अपने मे हों |
| G | सेवा कर्त्तव्य | 7 | सदा स्वयं को निमित्त समझकर चलो |